भारत सरकार

विधि और न्याय मंत्रालय

विधि कार्य विभाग

लोक सभा

अतारांकित प्रश्न सं. 2187

जिसका उत्तर शुक्रवार, 29 जुलाई, 2022 को दिया जाना है

महिला वकील

2187. श्री जयदेव गल्ला :

क्या **विधि और न्याय** मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) देश में मौजूद महिला वकीलों की संख्या कितनी है और वकीलों की कुल संख्या का राज्य-वार प्रतिशत क्या है ;

(ख) क्या सरकार ने विधि क्षेत्र से जुड़े व्यवसाय में प्रवेश करने वाली महिलाओं की संख्या और महिला वकीलों की नौकरी छोड़ने की दर का पता लगाने के लिए एक अध्ययन आयोजित करने का प्रस्ताव रखा है ;

(ग) यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है ; और

(घ) महिला वकीलों के नौकरी को बीच में छोड़ने की दर में कमी सुनिश्चित करने और विधि क्षेत्र से जुड़े व्यवसाय में उनका प्रतिनिधित्व बढ़ाने के लिए क्या कदम उठाए गए हैं ?

उत्तर

विधि और न्याय मंत्री
(श्री किरेन रीजीजू)

(क) और (ख) : भारतीय विधिज्ञ परिषद् ने सूचित किया है कि उपलब्ध डाटा / राज्य विधिज्ञ परिषदों द्वारा उपलब्ध कराए गए डाटा के अनुसार विभिन्न राज्य विधिज्ञ परिषदों में नामांकित महिला अधिवक्ताओं के ब्यौरों के साथ राज्यवार अधिवक्ताओं की कुल संख्या का डाटा उपाबंध पर दिया गया है ।

(ग), (घ) और (ङ) : जी नहीं, वर्तमान में सरकार ने इस संबंध में कोई अध्ययन संचालित नहीं किया है । यह प्रस्तुत किया जाता है कि विधि अध्ययन का चयन और प्रवेश लेना तथा उसके पश्चात् क्या नौकरी करनी है, या क्या शैक्षणिक, विधिक व्यवसाय, न्यायपालिका आदि में जाना है, यह पूरी तरह से एक स्वतंत्र इच्छा है और किसी की व्यक्तिगत रुचि पर निर्भर करता है । इसके अतिरिक्त, प्रचलित सामाजिक और पारिवारिक परिस्थिति भी अक्सर ऐसे विनिश्चियों का अवधारण करती है । अत:, वास्तव में, कोई स्टेट जैकेट फार्मुला नहीं है, जिसके द्वारा यह पता लगाया जा सके

और विनिश्चित किया जा सके । यह दर्शाने के लिए कोई साक्ष्य नहीं है कि महिला वकीलों के बीच क्षयण दर में वृद्धि हुई है और इसलिए, केवल जब कभी यह मुद्दा सामने आता है, तब विधिक व्यवसाय में महिला प्रतिनिधित्व में वृद्धि करने के अतिरिक्त अर्थो उपायों पर विचार किया जा सकता है ।

****

<u>उपाबंध</u>

क्रम सं.	राज्य का नाम	की तारीख को	महिला अधिवक्ताओं की कुल संख्या	अधिवक्ताओं की कुल संख्या	प्रतिशत %
1.	असम	22.11.2017	प्रतीक्षित	37236	-
2.	आंध्र प्रदेश	19.07.2021	13193	72719	0.181424387
3.	तेलंगाना	01.04.2021	8471	40531	0.209000518
4.	बिहार	19.07.2021	प्रतीक्षित	127501	-
5.	छत्तीसगढ़	19.07.2021	प्रतीक्षित	30103	-
6.	दिल्ली	20.07.2021	प्रतीक्षित	50317	-
7.	गुजरात	19.07.2021	26568	103390	0.256968759
8.	हिमाचल प्रदेश	28.11.2017	प्रतीक्षित	9075	-
9.	झारखंड	06.04.2021	प्रतीक्षित	31248	-
10.	कर्नाटक	19.07.2021	23507	102083	0.230273405
11.	केरल	19.07.2021	16070	57671	0.278649581
12.	मध्य प्रदेश	20.07.2021	17996	112390	0.160121007
13.	महाराष्ट्र और गोवा	02.04.2021	66980	191394	0.349958724
14.	ओड़िशा (साधारण 1099+एसटी 137)	19.07.2021	7846	56344	0.1392511739
15.	पंजाब और हरियाणा	20.07.2021	18424	117423	0.156902821
16.	राजस्थान	19.07.2021	16135	88999	0.181294172
17.	तमिलनाडु	17.07.2021	15231	110843	0.137410572
18.	उत्तर प्रदेश	01.04.2021	35022	400016	0.087551498
19.	उत्तराखंड	19.07.2021	प्रतीक्षित	17200	-
20.	पश्चिमी बंगाल	01.04.2021	17968	86555	0.207590549
21.	जम्मू और कश्मीर		प्रतीक्षित	10589	-
22.	त्रिपुरा		प्रतीक्षित	1409	-
23.	मणिपुर	03.04.2021	609	1676	0.363365155
24.	मेघालय	20.07.2021	487	821	0.593117905
	कुल		**284507**	**1857623**	

****